भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
17.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2986 का उत्तर

तमिलनाडु के लिए अनारक्षित रेल डिब्बे

2986. डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दक्षिण रेलवे का, चेन्नई, त्रिची, मदुरै और कोयंबटूर सहित प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्रतिदिन यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, जबकि वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान कुल यात्री यातायात 77.41 करोड़ होने की संभावना है तथा दक्षिण रेलवे देश में बिना किसी विलंब के रेलगाड़ियां चलाने में सबसे आगे है, तमिलनाडु में चलने वाली सभी रेलगाड़ियों में और अधिक अनारक्षित डिब्बे लगाने का सकारात्मक विचार है; और

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख) चूंकि रेलवे नेटवर्क राज्य की सीमाओं के पार फैला होता है, इसलिए ऐसी सीमाओं के पार नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार गाड़ियों का परिचालन/विस्तार किया जाता है। अनारक्षित कोचों में यात्रा करने वाले यात्रियों की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, रेलवे ने सामान्य श्रेणी में यात्रा की मांग करने वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ही तमिलनाडु क्षेत्र में जाने वाली रेलगाड़ियों सहित विभिन्न लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में 1250 सामान्य सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया है।

निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों की यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे ने 17,000 अवातानुकूलित सवारी डिब्बे (सामान्य/शयनयान) लिए हैं। भारतीय रेल पर, अवातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रतिशत लगभग 70% है जैसा कि नीचे दर्शाया गया हैः

तालिका 1: सवारी डिब्बों का का वितरण:

अवातानुकूलित सवारी डिब्बे (सामान्य/शयनयान)	**लगभग 57,200**	**लगभग 70%**
वातानुकूलित सवारी डिब्बे	**लगभग 25,000**	**लगभग 30%**
कुल सवारी डिब्बे	**लगभग 82,200**	**100%**

सामान्य सवारीडिब्बों की अधिक उपलब्धता के कारण, सामान्य/अनारक्षित सवारीडिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि का रुझान देखा गया है, जैसा निम्नानुसार दर्शाया गया है:

तालिका 2: सामान्य/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रियों की संख्या:

वर्ष	**यात्रियों की संख्या**
2020-21	**99 करोड़ (कोविड वर्ष)**
2021-22	**275 करोड़ (कोविड वर्ष)**
2022-23	**553 करोड़**
2023-24	**609 करोड़**
2024-25	**651 करोड़**

अवातानुकूलित सवारी डिब्बों के यात्रियों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान संरचना निम्नानुसार है:

तालिका 3: सीटों का वितरण:

अवातानुकूलित सीटें	**लगभग 54 लाख**	**लगभग 78%**
वातानुकूलित सीटें	**लगभग 15 लाख**	**लगभग 22%**
कुल	**लगभग 69 लाख**	**100%**

सामान्य और अवातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान प्रदान करने के उद्देश्य से, मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों की संरचना के संबंध में मौजूदा नीति के अनुसार, 22 सवारीडिब्बों की एक गाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी के अवातानुकूलित सवारीडिब्बे और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बे मुहैया कराए जाते हैं, फलस्वरूप सामान्य और अवातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों को अधिक स्थान उपलब्ध कराया जा रहा है।

इसके अलावा, निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों को किफायती यातायात साधन उपलब्ध कराने हेतु भारतीय रेल ने अमृत भारत सेवाएँ प्रारम्भ की हैं, जो पूर्णतः अवातानुकूलित आधुनिक रेलगाड़ियां हैं। दिनांक 3.11.2025 तक कुल 30 सेवाएँ पहले से परिचालन में हैं। वर्तमान में, अमृत भारत में 11 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बें, 8 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बें, 1 पेंट्रीकार और 2 द्वितीय श्रेणी सामान सह दिव्यांगजन सवारी डिब्बे शामिल हैं।

इसके अलावा, यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त स्थान प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में, भारतीय रेल त्योहारों, छुट्टियों आदि के दौरान विशेष रेलगाड़ियाँ चलाती है ताकि यात्रियों की अतिरिक्त ज़रूरतों को पूरा किया जा सके और नियमित सेवाओं द्वारा उपलब्ध स्थानों की कमी को पूरा किया जा सके। उपर्युक्त के अलावा, विभिन्न यात्री वर्गों के लिए अतिरिक्त स्थान प्रदान

करने हेतु, स्थायी और अस्थायी दोनों आधार पर रेलगाड़ियों में डिब्बों की संख्या भी बढ़ाई जाती है।

तदनुसार, भारतीय रेल नेटवर्क पर, वर्ष 2025-26 (नवम्बर, 2025 तक) के दौरान, लगभग 60000 विशेष रेलगाड़ियां परिचालित की गईं और 700 सवारी डिब्बों का उपयोग स्थायी आधार रेल सेवाओं में वृद्धि के लिए किया गया है।

चेन्नई 160 रेल सेवाओं द्वारा सेवित है जबकि तिरुचिरापल्ली 155 रेल सेवाओं द्वारा सेवित है। इसी तरह, मदुरै और कोयम्बटूर क्रमशः 116 और 168 रेल सेवाओं द्वारा सेवित हैं।

भारतीय रेल ने 2025-26 (नवंबर 2025 तक) के दौरान 200 से अधिक रेल सेवाएं शुरू की हैं, जिनमें से 16601/02 ईरोड-जोगबनी अमृत भारत एक्सप्रेस सहित 12 रेल सेवाएं तमिलनाडु राज्य में स्थित स्टेशनों की जरूरतों को पूरा करती हैं।

यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, दक्षिण रेलवे ने प्रत्येक रैक में 4 अनारक्षित सवारी डिब्बे जोड़कर 364 सेवाओं को मानकीकृत किया है। इसके अतिरिक्त, दक्षिण रेलवे ने अनारक्षित कोचों वाली 162 विशेष सेवाएं भी शुरू की हैं। साथ ही, दक्षिण रेलवे ने अस्थायी तौर पर 219 अनारक्षित सवारी डिब्बे और स्थायी तौर पर 11 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे जोड़े हैं।

*****